केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 238 गुरूवार 27 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सरकार के 8 वर्ष पूरे: उपलब्धियों पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन के नीति पर आठ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर यू.पी. भारत का ग्रोथ इंजन की थीम आधारित जनपद मुख्यालय पं. दीनदयाल अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में द्वितीय दिवस में मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद उ0प्र0 सुभाष यदुवंश ने उ0प्र0 नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, व्यवसायिक शिक्षा, दुग्ध विकास, मत्स्य, विद्युत, स्वास्थ्य, गन्ना, रेशम, वन, पशुपालन, उद्यान, कृषि, बाल विकास एवं पुष्टाहार, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, ग्राम्य विकास स्वत: रोजगार, जिला प्रोबेशन, समाज कल्याण, पंचायती राज, यातायात पुलिस, पुलिस विभाग, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो.नि., बेसिक शिक्षा, जिला पर्यटन एवं सांस्कृतिक, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, खाद्य एवं रसद, जिला नगरीय विकास अभिकरण विभागों के लगे प्रदर्शनी/स्टाल तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगी प्रदर्शनी सबका साथ, सबका विकास चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस अवसर पर उन्होने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2024 के अन्तर्गत राजेश कुमार वर्मा को 27860, कृष्णदेव पाण्डेय को 26080, रामसागर तिवारी को 22284, जगरनाथ को 26580, चिन्ताहरण को 30366 का डेमो चेक दिया तथा उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजना यथा–एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अन्तर्गत विनय प्रताप तिवारी व रामतौल को मधुमक्खी पालन के लिए 28000, विष्णु प्रसाद दुबे को ट्रैक्टर के लिए 100000, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद उद्योग उन्नयन योजना प्रमोद कुमार चौधरी को तेलमिल के लिए 971000, श्रीमती पिंकी को बेकरी उद्योग के लिए 700000, ओम प्रकाश को नमकीन उद्योग के लिए 586250, संदीप यादव को मिनी राइसमिल के लिए 106400, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अन्तर्गत ड्रिप सिंचाई के लिए मुक्तानाथ को 81060, बजरंग पाल को 175972, राममिलन को 113783 का अनुदान धनराशि चेक के माध्यम से वितरित किया।

छात्र उत्कर्ष का नवोदय विद्यालय मे चयन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
पौली (संतकबीरनगर)। पौली ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय रामपुर पश्चिमी के छात्र का चयन नवोदय विद्यालय में होने पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने छात्र को माला पहना व मिठाई खिलाकर स्वागत कर उज्जवल भविष्य की कामना किए। भिटिनी गांव निवासी उत्कर्ष पांडेय पुत्र मनोज प्राथमिक विद्यालय रामपुर पश्चिमी में कक्षा 5 का मेधावी छात्र था। कठिन परिश्रम के बाद नवोदय विद्यालय में चयन हुआ। चयन का श्रेय गुरूजन राम मोहन शुक्ला व माता–पिता को दी। प्रधानाध्यापक राम मोहन शुक्ला ने बताया कि छात्र उत्कर्ष बहुध ही होनहार बच्चा है। उसमे कुछ करने की हमेसा जिज्ञास बनी रहती थी। उसका लगन व मेहन एक दिन विद्यालय के साथ–साथ जनपद का नाम रोशन करेगा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक व शिक्षको ने छात्र उत्कर्ष को माला पहना व मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

राणा सांगा पर टिप्पणी को लेकर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर करणी सेना का धावा

आगरा (आभा)। राणा सांगा पर टिप्पणी को लेकर आगरा में बवाल हो गया है। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार को करणी सेना के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने धावा बोल दिया। सांसद के घर पर खड़ी कई गाड़ियों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। पथराव में सांसद के घर के खिड़की दरवाजे क्षतिग्रस्त हो गए और शीशे टूट गए हैं। पुलिस ने आक्रोशित करणी सेना कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की तो पुलिस पर ही हमला कर दिया गया। इससे इंस्पेक्टर हरी पर्वत सहित आधा दर्जन पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर किसी तरह सभी को खदेड़ा। कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। इलाके को छावनी बना दिया गया है। कई थानों की फोर्स पहुंच गई ।

राणा सांगा पर बयान के बाद से ही करणी सेना समेत कई संगठन सपा सांसद के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे। धरना प्रदर्शन का दौर भी चल रहा था। करणी सेना ने सांसद के आवास पर पहुंचकर विरोध का ऐलान किया था। इसे देखते हुए पुलिस भी सुबह से तैनात थी। उस समय कुछ लोग जुटे लेकिन पुलिस के समझाने पर चले गए।

दलित युवक को मारा पीटा एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । पैकोलिया थाना क्षेत्र के मधवापुर पाण्डेय निवासी दलित शनि कुमार पुत्र केशवराम ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाई और अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में दलित शनि कुमार ने कहा है कि उसका मकान गिर गया था, गत 21 मार्च को वह नींव की खुदाई कर रहा था कि गांव के ही राजकुमार चौधरी, सुनील चौधरी पुत्र दु:खरन, दुर्गेश उर्फ सचिन पुत्र सुनील चौधरी ने उसे जाति सूचक भद्दी–भद्दी गालियां दी और नींव की खुदाई करने से मना करने लगे । उन लोगों ने 112 पर फोन कर पुलिस बुलवाया, पुलिसकर्मी समझा बुझाकर चले गये। इसके बाद रात में पुन: राजकुमार चौधरी आदि लाठी डण्डों से लैश होकर घर पर चढ आये। मारा पीटा, पत्नी के शोर मचाने पर लोग आ गये, किसी तरह से उसकी जान बची। दूसरे दिन पुलिस उसे और राजकुमार को थाने पर लेकर गई जहां सिपाही शक्ति कुमार, नवीन व अन्य दो ने उसे बुरी तरह से मारा पीटा। चालान करते हुये धमकी दिया कि यदि अब विपक्षियों की ओर आंख उठाकर देखोगे तो फर्जी मुकदमों में फंसाकर जिन्दगी बरबाद कर दूंगा। दलित शनि कुमार पुत्र एसपी से मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

बेटे के मौत मामले में पिता ने किया दोषी पुलिस कर्मियों के बर्खास्तगी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। 16 वर्षीय नाबालिग आदर्श का पुलिसिया पिटाई से मौत का मामला जोर पकड़ता जा रहा है। बुधवार को दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई निवासी आदर्श के पिता ओम प्रकाश उपाध्याय ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष को पत्र देकर मांग किया कि उनके बेटे के मौत के मामले में दुबौलिया थानाध्यक्ष के साथ ही सभी दोषी पुलिस कर्मियो को बर्खास्त कर डाक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम का वीडियो ग्राफी कराया जाय।

पत्र में ओम प्रकाश उपाध्याय ने कहा है कि उनके 16 वर्षीय नाबालिग बेटे आदर्श को दुबौलिया पुलिस बिना परिजनों को सूचित किये 24 मार्च की शाम को थाने पर ले गई और उसे मारा पीटा, धमकाया और कुछ कागजात पर हस्ताक्षर कराने के बाद 25 मार्च को उसके विरूद्ध किसी के शिकायती पत्र का हवाला देकर मुकदमा पंजीकृत किया। दुबौलिया पुलिस ने बेटे के रिहाई की मांग को लेकर 5 हजार रूपये की मांग किया। बाद में उनकी पत्नी को बुलाकर बेटे को छोड़ दिया। जब आदर्श थाने से घर पहुंचा तो उसे खून की उल्टी होने लगी। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हर्रैया ले जाया गया। चिकित्सकों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुये उसे रेफर कर दिया। इसके पहले कि इलाज के लिये कहीं ले जाते उसकी मौत हो गई। उसकी मौत पुलिसिया उत्पीड़न, आन्तरिक चोट या हार्ट अटैक से हुआ है। उसके बेटे के मौत के जिम्मेदार दुबौलिया थानाध्यक्ष, पुलिस कर्मी हैं जिन्होने बिना विधिक प्रकिया के उसे 24 घंटे से अधिक समय तक थाने पर बैठाये रखा और मारा पीटा।

न्याय की मांग को लेकर पत्र देते समय ओम प्रकाश उपाध्याय के साथ चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा', अच्युतानन्द तिवारी, धर्मेन्द्र कुमार, सुनील सिंह, विजय शंकर आदि शामिल रहे ।

नाबालिग आदर्श की मौत से आक्रोश: दो पुलिसकर्मी निलम्बित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मामूली विवाद में बस्ती पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा. थाने ले जाकर उसे इतना पीटा की, वह मरणासन्न हो गया. हालत बिगड़ती देख पुलिस वाले नाबालिग किशोर को घर पर छोड़कर चले गए. वहां बच्चे को खून की उल्टियां होने लगीं. परिजन उसे लेकर अस्पताल भागे. वहां से किशोर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया. परिजन उसे लेकर जा रहे थे, कि उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया. मृतक के परिजनों ने बस्ती पुलिस पर थर्ड डिग्री देकर मारने की आरोप लगाया है. अस्पताल के बाहर शव रखकर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी भी की गई. घटना

बस्ती जिले के दुबौलिया थाना के उभाई गांव की है।

दुबौलिया थाना के उभाई गांव का रहने वाले 17 वर्षीय किशोर के परिजनों की मानें तो वह खैनी लेने के लिए पास की दुकान पर गया था. सुर्ती को लेकर गांव में ही उसका कुछ लोगों के साथ झगड़ा हो गया. इतने में मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया. परिजनों का आरोप है कि थाने लाकर पूछताछ के बहाने पूरी रात थर्ड डिग्री दी गई.

घटना और हंगामे की जानकारी पर मौके किशोर के रिश्तेदार और सैकड़ों की तादात में गांव के लोग भी पहुंच गए. सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे. हंगामा बढ़ता देख कई थानों की फोर्स और दो डीएसपी मौके पर पहुंचे. मान मनौव्वल का दौर शुरू हुआ. डीएसपी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने तत्काल आरोपी दोनों सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया. साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने मामले में तत्काल मुकदमा दर्ज कराये जाने की मांग किया है। घटना को लेकर आक्रोश है।

उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद प्रदेश अध्यक्ष बने राना दिनेश प्रताप सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। राना दिनेश प्रताप सिंह को उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। अखिल भारतीय पंचायत परिषद के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० अशोक चौहान ने दिल्ली कार्यालय से मनोनयन पत्र जारी कर यह जानकारी दिया है । उन्होंने श्री राना को भेजे पत्र में लिखा है कि परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय के निर्देश पर उन्हें प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजनैतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह के चाचा स्व० राना कृष्ण किंकर सिंह दो दो बार निर्दलीय विधायक, निर्दलीय जिला पंचायत अध्यक्ष और

ब्लॉक प्रमुख रहे हैं। राना दिनेश प्रताप सिंह भी जिला पंचायत सदस्य तथा बहादुरपुर से ब्लॉक प्रमुख रह चुके हैं। ब्लॉक प्रमुख संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रहने के अलावा उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सहित अनेक सामाजिक, व्यापारिक संगठनों के सक्रिय पदाधिकारी श्री राना की गिनती जनपद के प्रमुख समाजसेवियों में शुमार की जाती है।

वर्तमान में आदर्श नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष एवं बहादुरपुर से निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख निर्वाचित रही इनकी धर्मपत्नी नीलम सिंह राना को भारत सरकार ने सेवा तथा विकास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और यूपी के सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक प्रमुख का सम्मान दिया था।

अपने मनोनयन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री राना ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा है कि स्थानीय निकायों तथा पंचायतों को अधिकार संपन्न एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे। 73 वीं और 74 वीं संविधान संशोधन लागू करने हेतु प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ और जिम्मेदार अफसरों से संवाद स्थापित किया जाएगा।

बसपा के कार्यकर्ता समीक्षा बैठक में पिछड़ों को मजबूती से जोड़ने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को बहुजन समाज पार्टी का एक दिवसीय कार्यकर्ता समीक्षा बैठक बेद वन के निकट स्थित एक मैरेज हाल के सभागार में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक भगवान दास और विशिष्ट अतिथि बस्ती मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी, सीताराम शास्त्री ने बूथ स्तर पर बसपा संगठन को मजबूत करने, पिछड़ों के साथ ही सर्व समाज को जोड़ने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर, मान्यवर कांशीराम और सुश्री मायावती के प्रयासों का परिणाम है कि आज दलित वर्ग के लोगों को सम्मान मिल रहा है। एक समय ऐसा भी था जब वे कुर्सी तो दूर चारपाई पर भी बैठने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे।

अध्यक्षता करते हुये जिलाध्यक्ष अनिल गौतम ने कहा कि पार्टी से पिछड़ों को जोड़ने के लिये विशेष

अभियान वरिष्ठ नेताओं के मार्ग दर्शन में चलाया जायेगा। समीक्षा बैठक मे भाई चारा संयोजक जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर चौधरी 'शाका' कृपाशंकर गौतम का फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से संजय धूसिया, राजेन्द्र गौतम, आशुतोष सिंह, के.पी. राठौर, जुगुल किशोर चौधरी, अतर सिंह, अनूप कुमार, सुभाष गौतम, ओम प्रकाश, मोल्हु प्रसाद, अनिल आजाद, संजय मौर्य, सी.पी. सक्सेना, पवन कुमार गौतम, उमाशंकर, शिवम आजाद, बृजेश कुमार, अखिलेश कुमार, रामफेर गौतम, भवानी भीख, राजेन्द्र, ई. राजेश, प्रमोद कुमार, जे.पी. गौतम, दीपक कुमार, महेन्द्र गौतम, तबारक अली, दिवाकर कपूर, जगबली कन्नौजिया, प्रदीप गौतम, शैलेन्द्र कुमार, रामलला गौड़, बृजेश, भरत, शिवम आजाद, यशवन्त निगम के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

एकजुटता, समन्वय से न्याय पंचायत स्तर पर कांग्रेस संगठन की मजबूती पहला लक्ष्य–विश्वनाथ चौधरी

–कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी का भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को कांग्रेस के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया। यहां से कांग्रेस जन नारा लगाते हुये दक्षिण दरवाजा, रोडवेज तिराहा होते हुये कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जहां आयोजित सभा में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस के संगठात्मक ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने उपस्थित पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुये कहा कि पार्टी के जिलाध्यक्ष के रूप में उनका प्रयास होगा कि जिला, तहसील, ब्लाक, नगर पंचायत, न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर कांग्रेस संगठन मजबूत हो तभी आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुये जीत हासिल कर सकेगी। विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, श्रीमती सोनियां गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के मार्ग दर्शन में कांग्रेस की खोयी हुई राजनीतिक प्रतिष्ठा को वापस दिलाने के लिये सभी कांग्रेसजनों को पूरी ताकत झोंकनी होगी। कहा कि पद एक व्यवस्था है, वे कार्यकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभायेंगे। पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, अफसर यू अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, कर्नल ए.के. सिंह, वीरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, बृजेश आर्य, गिरजेश पाल, दिलीप निषाद, अनिल भारती, ई. राज बहादुर निषाद, कर्नल ए.के. सिंह, देवेन्द्र निषाद, डा. आर.जी. सिंह, कौशल त्रिपाठी, कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष महेन्द्र श्रीवास्तव, डा. वाहिद सिद्दीकी, नोमान अहमद के साथ ही अनेक वक्ताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी का स्वागत करते हुये एकजुटता पर जोर दिया। संचालन अवधेश सिंह ने किया।

नव नियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से आदित्य त्रिपाठी, संदीप श्रीवास्तव, अमित सिंह, अतीउल्ला सिद्दीकी, डा. मारुफ अली, डा. शीला शर्मा, मंजू पाण्डेय, शकुन्तला देवी, राकेश पाण्डेय 'गांधियन', भूमिधर गुप्ता, गंगा प्रसाद मिश्र, शेर मोहम्मद, सुधीर यादव, सोनम सैनी, अरूण कुमार पाण्डेय, लालजीत पहलवान, मधुबन चौहान, जयन्त चौधरी, अमर बहादुर शुक्ल, कुंवर जितेन्द्र सिंह, शिव विभूति मिश्र 'पिन्टू', नफीस अहमद, विनय तिवारी, प्रताप नारायण मिश्र, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, जगदीश शर्मा, रंजना सिंह, नीलम विश्वकर्मा, सन्तराम गौतम, रामधीरज चौधरी, राम सिंह, सलमा अफसर, सिद्दीक अहमद, राकेश मणि त्रिपाठी, साधू शरन आर्य, प्रमोद दूबे, सूर्यमणि पाण्डेय, अनिल त्रिपाठी, विनोद रानी आहूजा, प्रेम सागर पाठक, अलीम अख्तर, शौकत अली नन्हू, दिनेश कुमार सिंह, विजय प्रकाश पाण्डेय, गुड्डू सोनकर, रविन्द्र सिंह 'राजन' सर्वेश शुक्ल, संजीव त्रिपाठी, वीरेश सिंह, साधू शरन पाण्डेय, आलोक तिवारी, प्रमोद पाण्डेय, ननकू सोनकर, अंकित कुमार, आनन्द कुमार निषाद, मो. सरवर अंसारी, दिलीप श्रीवास्तव, पप्पू चौधरी, रमेश चौधरी, शुभम गांधी, प्रशान्त, सीमा निषाद के साथ ही हजारों की संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

कुम्भकार महासंघ ने डीएम को सौंपा ज्ञापन: अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । बुधवार को अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम मिलन प्रजापति के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि शिल्पकार जाति के अर्न्तगत आने वाले कुम्हार, प्रजापति को अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद महासंघ के राम मिलन प्रजापति ने बताया कि राज्यपाल द्वारा अधिनियम की अनुसूची 1 में संशोधन कर आदेश दिया गया है कि शिल्पकार, कुम्हार, प्रजापति पिछड़े वर्ग के स्थान पर अनुसूचित जाति समझे जायेंगे। संतकबीर नगर जनपद में कुम्हार, प्रजापति को शिल्पकार मानकर अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इस आधार पर बस्ती

में भी कुम्हार, प्रजापति को शिल्पकार मानकर अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाय।

डीएम को सम्बोधित ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से दिनेश कुमार, चन्द्रभान, परशुराम प्रजापति, राम मूरत, अमरावती देवी, रामयज्ञ, गोविन्द प्रसाद, अखिलेश प्रजापति, राम वृक्ष, राम सूरत, राजेन्द्र प्रसाद, रेणुका देवी, बेचन प्रसाद, माया देवी, राधिका देवी, रामलौट, महेन्द्र, गणेश, खुशिहाल, कामाख्या, उमेश कुमार, मुनिराम, भोला प्रसाद, दिवाकर, बेचन प्रजापति, राजेश कुमार, संगीता देवी, लीलावती देवी, जगरतन प्रजापति, इन्दु देवी, प्रदीप प्रजापति, रोहित प्रजापति, राजेन्द्र प्रसाद, अखिलेश कुमार, अंकुर, प्रेमकुमारी के साथ ही कुम्भकार और प्रजापति समाज के अनेक लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 मार्च 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

मंहगे होते माननीय

संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा एक गजट नोटिफिकेशन के अनुसार सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के वेतन, भत्तों एवं पेंशन में एक अप्रैल 2023 से बढ़ोतरी की है। अब सांसदों का वेतन एक लाख से बढ़कर 1.24 लाख रुपये प्रतिमाह हो जाएगा। साथ ही दैनिक भत्ता दो हजार से ढाई हजार रुपये प्रतिदिन हो जाएगा। वहीं पूर्व सांसदों की पेंशन भी पच्चीस हजार से बढ़कर 31 हजार प्रतिमाह हो जाएगी। इसके साथ ही पांच साल से अधिक की सेवा के लिये सांसदों की अतिरिक्त पेंशन दो हजार से बढ़कर ढाई हजार रुपये हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सांसदों के वेतन व भत्तों में बदलाव अप्रैल 2018 में किया गया था। तर्क दिया जा रहा है कि माननीयों के वेतन में वृद्धि महंगाई और जीवन यापन की बढ़ती लागत के मद्देनजर की गई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 के परिवर्तन के अनुसार सांसदों को अपने क्षेत्र में ऑफिस चलाने और लोगों से मिलने–जुलने हेतु सत्तर हजार रुपये का भत्ता भी मिलता है। इसके अतिरिक्त उन्हें कार्यालय के व्यय हेतु साठ हजार रुपये महीना और संसद सत्र के दौरान हर दिन दो हजार रुपये का भत्ता भी मिलता है। कहा जा रहा है कि अब इन भत्तों में भी बढ़ोतरी होगी। उल्लेखनीय है कि माननीयों को हर साल फोन व इंटरनेट हेतु भत्ता, अपने परिवार के लिये 34 फ्री डोमेस्टिक फ्लाइट, निजी यात्रा के लिये रेल में प्रथम श्रेणी में यात्रा सुविधा, सड़क मार्ग से चलने पर ईंधन का खर्च व मुफ्त बिजली दृ पानी की सुविधा भी मिलती है। इसके अलावा सरकारी व निजी अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करायी जाती है। यदि किसी रोग का भारत में पर्याप्त इलाज संभव न हो तो सरकार विशेष स्थिति में विदेश में उपचार के खर्च की अनुमति दे सकती है। साथ ही सरकारी आवास की सुविधा और यदि आवास न लें तो घर का भत्ता माननीयों को मिलता है।

वहीं सरकार की दलील है कि वेतन–भत्तों में यह 24 फीसदी की वृद्धि लागत मुद्रास्फीति सूचकांक के आधार पर ही की गई है। दरअसल, सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में सांसदों के वेतन और भत्तों की हर पांच साल में समीक्षा करने का जो नियम बनाया था, उसका निर्धारण समय की महंगाई दर के आधार पर किया जाना था। निस्संदेह, लोकतंत्र के नीति–नियंताओं का जीवन विशिष्ट सुविधाओं का आकांक्षी होता है। वहीं सुख–सुविधाओं में वृद्धि तार्किकता की भी मांग करती है। यह नैसर्गिक न्याय ही होगा, यदि राजा और प्रजा के जीवन में समृद्धि की बयार समान रूप से होती है। इसमें अधिक अंतर भी न हो। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिये के नारे का यथार्थ में फलीभूत होना भी जरूरी है। अभिजात्य संस्कृति की तार्किकता लोकतंत्र की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रश्न आयकरदाता के धन के सदुपयोग व उसकी उत्पादकता का भी है। जिसके जरिये धविसंगतियां दूर करने व असमानता की खाई पाटने की तार्किकता भी शामिल है। हम यह न भूलें कि महंगाई का दंश देश की आम प्रजा भी भुगत रही है। नीति–नियंताओं को उसके कष्ट दूर करने के लिये संवेदनशील ढंग से सोचना चाहिए। आम लोगों को सामाजिक सुरक्षा का कवच देने के मुद्दे को भी प्राथमिक बनाया जाना चाहिए। करोड़ों लोगों को सस्ती व गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना भी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए। यह भी यक्ष प्रश्न कि देश की आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी हमें अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने को क्यों बाध्य होना पड़ रहा है। सार्वजनिक विमर्श में यह मुद्दा भी अकसर उठता रहा है कि जिस व्यवस्था की जन प्रतिनिधि संस्थाओं में करोड़पति जनप्रतिनिधियों का वर्चस्व हो, उनके लिये वेतन, भत्ते और पेंशन की तार्किकता क्या है? वहीं दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श में नई–पुरानी पेंशन की आकांक्षा में चिंतित जनमानस को देशव्यापी एकरूपता के साथ विकल्प दिये जाने की भी जरूरत है। ताकि तेजी से उम्रदराज लोगों का देश होते भारत में करोड़ों लोगों का बुढ़ापा सुखमय हो सके। ताकि सुख, समृद्धि व सुकून सजा के घर भी हो और प्रजा के भी।

साइबर ठगों का बढ़ता हौसला

– डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

ऐसा नहीं है कि साइबर या इससे जुड़ी ठगी हमारे यहां ही होती है अपितु देखा जाए तो यह आयातित ठगी का तरीका है। साइबर या यों कहें कि इस तरह की ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर है तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर बना हुआ है। मोबाइल पर नंबर मिलाते ही आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इस सबके बावजूद भारत सरकार द्वारा ठगी के जारी आंकड़ें ना केवल चेताने वाले हैं अपितु लगता है जैसे ज्यों ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता ही गया वाले हालात बनते जा रहे हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाने के बावजूद एक ओर ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों को देखे तो पिछले तीन साल में ही ठगी के नए अवतार से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत के दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलें दर्ज हो चुके हैं और 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। यह तो साल की शुरुआत के हाल है। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो हालात की गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लेक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। मजे की बात यह है कि लाख प्रयासों के बावजूद 2024 की बढ़ोतरी तो और भी चिंतनीय रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ही 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलें दर्ज हुए और 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई। यह तो वे मामलें हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामलें ऐसे भी होंगे जिनमें मामलें दर्ज कराए ही नहीं गए होंगे। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

ऐसा नहीं है कि साइबर या इससे जुड़ी ठगी हमारे यहां ही होती है अपितु देखा जाए तो यह आयातित ठगी का तरीका है। साइबर या यों कहें कि इस तरह की ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर है तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर बना हुआ है। इनके बार चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और होशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

जहां तक हमारे देश की बात करें तो साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं तो दूसरी और डरा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा डराने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी देदेते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राशि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक डर या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनों–दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर डरा देते हैं और मजे की बात यह कि एक दो दिन नहीं अपितु कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देश में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर स्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आमनागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये धमकायें तो बहकावें में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता ही इस समस्या का समाधान हो सकती है।–(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनाव

–अविजित पाठक–

हाल ही में, आईआईटी कानपुर ने 'द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के साथ मिलकर एक 'भलाई कार्यक्रम' शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार, फाउंडेशन ने श्वास क्रिया, ध्यान और माईंडफुलनेस अर्थात 'संचेतना' (आसपास की घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए इनमें बहने से बचना) सहित विशेषज्ञ सत्रों की एक शृंखला आयोजित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य है युवा छात्रों की 'मानसिक सहनशक्ति एवं तनाव प्रबंधन क्षमताओं' को बेहतर बनाना। समझा जा सकता है कि आईआईटी के अधिकारी अपने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं। दरअसल, हाल ही में सूचना के अधिकार से मिली एक जानकारी से पता चला है कि पिछले पांच सालों में 37 विद्यार्थियों ने खुदकशी है, जिसमें 11 छात्र आईआईटी के थे। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि आईआईटी गुवाहाटी ने भी 'नैदानिक अभ्यासों' की एक शृंखला चलाने की घोषणा की है दृ मसलन,परामर्श सत्र, संकाय सदस्यों के साथ सुबह की सैर और 'तनाव से मुक्ति' कार्यशालाएं।

हालांकि,भारत में समकालीन शैक्षिक परिदृश्य के एक पर्यवेक्षक के रूप में, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि अलग–अलग परामर्श सत्र, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यासों का ऐसा कोई समुच्चय इन युवाओं की बढ़ती दिमागी, मानसिक चिंताओं और अस्तित्वगत पीड़ा से निपटने के लिए अपर्याप्त होगा, जो पहले ही अत्यंत–प्रतिस्पर्धात्मक और सामाजिक डार्विनवाद जनित जीवन–हंता वायरस से बनी मारक 'रण भूमि' में फंसे हुए हैं।

समस्या केवल किसी के 'आहत' हुए स्व: की नहीं है,समस्या समाज की पूरी संरचना है –जिसमें संसाधनों की कमी और असमानता है या फिर किसी की योग्यता केवल प्राप्त किए गए बढ़िया नंबरों से आंकने वाली विचारधारा बनकर रह गई है। उस चूहा–दौड़ में शामिल होना,जिसे तकनीकी–पूंजीपति 'सफलता' का प्रारूप ठहराते हैं। आप अपने 'अशांत' स्व: को बाकी समाज के ताने–बाने से अलग नहीं कर सकते।

तीन कारणों के बारे में सोचें कि मानसिक तनाव या अकेलापन आईआईटी के माहौल में अंतर्निहित क्यों है। वास्तव में आप महसूस करेंगे कि किसी भी आईआईटी में प्रवेश पाने की प्रक्रिया ही स्वाभाविक रूप से तनावपूर्ण है। यह किसी महान शिक्षक के साथ चलकर सीखने जैसा न होकर विज्ञान और गणित की गूढ़ता को बनावटी बौद्धिक उत्साह और जिज्ञासा के साथ तलाशने जैसा है। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटरों के अत्याचार से लेकर, कभी न खत्म होने वाले अभ्यास परीक्षा तक की इस यात्रा में कोई रचनात्मक उत्साह या खुशी नहीं है। 'भाग्यशाली' छात्र जब तक बाधाओं से पार पाते हैं दृ जेईई मुख्य परीक्षा से लेकर जेईई एडवांस उत्तीर्ण करने तक दृ तब तक उनमें से कई मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक तौर से दरिद्र हो चुके होते हैं।

दूसरा, यह मानना गलत है कि जब कोई आईआईटी में भर्ती पा लेता है तो उसकी जिंदगी वास्तव में भरपूर बन जाती है, और सब कुछ गुलाबी–गुलाबी हो जाता है। अतिशयी–प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनावों का कोई अंत नहीं है। अच्छा ग्रेड पाने की लालसा, बाजार मांग के अनुरूप लगातार बदलते 'कौशल' सीखते रहने का दबाव, और अंतिम नियति को लेकर निरंतर चिंता दृ जैसे कि, बढ़िया जगह पर नौकरी और वेतन पैकेज। ये सब एक ऐसा सामाजिक माहौल बना देते हैं, जिसमें कोई सच्चा दोस्त नहीं, कोई रचनात्मक उत्साह नहीं होता। हर कोई एक एकाकी व अहंकारी योद्धा भर है!

और तीसरा, चूंकि हमारे समाज में आईआईटी में दाखिला पाने का कुछ ज्यादा ही महिमामंडन किया जाता है, जिसकी कीमत में, हमारे अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालयों का व्यवस्थित रूप से अवमूल्यन हो रहा है। इसलिए आईआईटी विद्यार्थी के लिए लोगों की नजरों में चढ़ने से बचना बहुत मुश्किल बन जाता है। हम आईआईटी में पढ़ने वाले को एक मिथकीय उत्पाद के रूप में देखना शुरू कर देते हैंरू एक अत्यंत–बुद्धिमान प्रौद्योगिकीविद्, वह जो सब कुछ हासिल कर ले, जिसकी 'सफलता' को हम मिथक बनाना पसंद करते हैं। एक आकर्षक नौकरी, किसी तकनीकी–कॉर्पोरेट उद्यम में एक उच्च पद, लगातार विदेश यात्राएं और निरंतर सामाजिकध्आर्थिक गतिशीलता! वास्तव में, हमारा समाज पागलों की तरह 'सफलता की कहानियों से ग्रस्त है। इसकी वजह से अगर आप एक 'आईआईटी वाले' हैं, तो इस बात की संभावना बहुत कम है कि लोगबागदृआपके माता–पिता सहित दृ आपको सिर्फ एक इंसान के रूप में देखेंगे। आपको लगातार अपने 'अलौकिक' गुणों को साबित करते रहना पड़ेगा। ऐसा लगता है मानो आपका 'आम होना' ही आपका गुनाह है! वास्तव में, यह असंभव अपेक्षा उनमें से कईयों को अमानवीय अवगुण से भर देती है।

निस्संदेह, यदि हम इन मुद्दों पर विचार कर हल नहीं निकालते तो हम इन एकाकी व तनावग्रस्त युवा प्रतियोगियों के अंदर केवल ध्यान, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यास करवाकर विवेक पैदा नहीं करवा सकते। भले ही यह किसी प्रकार का अस्थायी राहत देने वाला हो दृफीलगुड की क्षणिक अवस्था उनके जीवन–पथ में कोई मौलिक परिवर्तन लाने की संभावना नहीं रखती। हालांकि, तात्पर्य यह नहीं है कि संचेतना अभ्यास कोई मायने नहीं रखता। निस्संदेह, अतीत की चोटों और भविष्य की चिंता से विचलित हुए बिना, वर्तमान क्षण में गहराई से और तीव्रता से जीने की क्षमता ही एक बड़ी ध्यान कला है। इसके लिए समर्पित धार्मिकता की भावना होनी चाहिए– शांति, प्रेम परिपूर्ण सहृदयता और करुणा की निरंतर खोज।

हालांकि, विडंबना यह है कि तेजी से विकास करते 'आध्यात्मिक सुपरमार्केट' वाले हमारे इस समयकाल ने ध्यान व संचेतना के लाभ का भी मजाक बनाकर रख दिया है। इसे फौरी राहत प्रदान करने वाले एक उत्पाद के रूप में बेचा जा रहा है। इसके अलावा, यह 'आध्यात्मिक उद्योग' एक अन्य महत्वपूर्ण सवाल अब तक नहीं पूछ पाया रू संचेतना हो किसके वास्ते? क्या मुझे अपने कॉर्पोरेट लालच को बढ़ाने के लिए संचेतना अभ्यास करने की आवश्यकता पड़ेगी? क्या अपने विश्वविद्यालय में 'टॉपर' बनने के लिए मेरे लिए संचेतना अभ्यास करना जरूरी है? क्या मुझे अहंकार के बोझ से मुक्ति और तनावमुक्ति हेतु संचेतना अभ्यास की आवश्यकता है?

वास्तव में, 'आध्यात्मिक सुपरमार्केट' के व्यवसाय में रोजाना की तरक्की के साथ, हम अत्यधिक धनाढ्य सेलिब्रिटी बाबाओं और गुरुओं को अपने अमीर ग्राहकों को 'फौरी मोक्ष' के नाना प्रकार के पैकेज बेचते हुए देखते हैं –लेखक समाजशास्त्री हैं।

पॉक्सो एक्ट और महिलाओं की सुरक्षा

–डॉ. सुधीर कुमार–

बीते दिनों इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा सुनाया गया एक फैसला महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में एक गंभीर बहस का केंद्र बन गया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। इसके प्रति कानूनी समुदाय व नागरिक समाज में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र ने कासगंज जिले के एक मामले में कहा कि किसी महिला के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना बलात्कार या बलात्कार के प्रयास की श्रेणी में नहीं आता है। यह फैसला पॉक्सो एक्ट के तहत 11 साल की पीड़िता से जुड़े मामले में सुनाया गया था।

न्यायाधीश ने बलात्कार के प्रयास के आरोप को खारिज करते हुए, इसे भारतीय दंड संहिता की धारा 354–बी के तहत "वस्त्र उतारने के इरादे से हमला" और पॉक्सो एक्ट की धारा 9ध्10 के तहत "गंभीर यौन हमला" माना। न्यायालय का मानना है कि इस मामले में किए गए कृत्य बलात्कार के प्रयास की कानूनी परिभाषा को पूरी तरह से संतुष्ट नहीं करते हैं, लेकिन गंभीर यौन हमले की श्रेणी में आते हैं। इस निर्णय के कानूनी विश्लेषण पर विचार करें तो, यह स्पष्ट होता है कि न्यायालय ने अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच स्थापित कानूनी सिद्धांत का पालन करने का प्रयास किया है। भारतीय दंड संहिता के तहत, किसी भी अपराध के लिए केवल 'प्रयास' ही दंडनीय है, जबकि केवल 'तैयारी' को अपराध नहीं माना जाता है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 9ध्10 के तहत 'गंभीर यौन हमला' के अपराध को बरकरार रखा है, जो यह दर्शाता है कि न्यायालय ने कथित अपराध की गंभीरता को पूरी तरह से अनदेखा नहीं किया है। कुछ कानूनी विशेषज्ञ यह तर्क दे सकते हैं कि न्यायालय का कर्तव्य कानून को उसके अक्षरों के अनुसार लागू करना है, भले ही इसके सामाजिक परिणाम विवादास्पद क्यों न हों।

उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले के कई निर्णयों में यौन इरादे से किसी नाबालिग के अंगों को छूने को भी यौन हमला माना है। 19 नवंबर, 2021 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट के नागपुर पीठ के एक फैसले को पलटते हुए यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि किसी नाबालिग के यौन अंगों को छूना या यौन इरादे से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत यौन हमला माना जाएगा, जिसमें इरादे को प्रमुखता दी गई थी। । इस फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने 'स्किन से स्किन' संपर्क की आवश्यकता से अधिक यौन इरादे को महत्व दिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का वर्तमान निर्णय इस पूर्ववर्ती फैसले से स्पष्ट रूप से भिन्न प्रतीत होता है।

मध्य प्रदेश सरकार बनाम महेंद्र उर्फ गोलू के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने बलात्कार के प्रयास के आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए 'तैयारी' और 'प्रयास' के बीच का अंतर समझाया था, जिसमें यह माना गया था कि अभियुक्त के कृत्य 'तैयारी' से आगे बढ़कर अपराध के निकट थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय इस व्याख्या से भी कुछ हद तक भिन्न प्रतीत होता है। इस अदालती निर्णय का मौजूदा कानूनों पर संभावित प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। पॉक्सो एक्ट के संदर्भ में, इस निर्णय से बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के अधिनियम के मूल उद्देश्य पर ही सवाल उठ सकते हैं। यदि इस प्रकार के कृत्यों को बलात्कार के प्रयास के रूप में नहीं माना जाता है, तो यह कानून के प्रभावी कार्यान्वयन को कमजोर कर सकता है। इसी प्रकार, यह निर्णय आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और धारा 354 (शील भंग करने के इरादे से हमला) के बीच की रेखा को भी धुंधला कर सकता है, खासकर जब यौन उत्पीड़न की गंभीरता का आकलन किया जा रहा हो, परिणामस्वरूप पॉक्सो एक्ट के तहत यौन अपराधों की एक संकुचित व्याख्या हो सकती है, जिससे बच्चों की सुरक्षा का कानूनी ढांचा कमजोर हो सकता है।

इस न्यायिक फैसले के सामाजिक–राजनीतिक परिणाम व्यापक हो सकते हैं। इससे समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति गलत संदेश जा सकता है, जिससे यौन अपराधों को गंभीरता से न लेने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। इससे महिला अधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज समूहों के विरोध के सुर मजबूत हो सकते हैं। राजनीतिक स्तर पर, मौजूदा कानूनों में संशोधन या नए कानून बनाने की मांग उठ सकती है, ताकि कानूनी अस्पष्टताओं को दूर किया जा सके और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सार्वजनिक विमर्श में मांग उठी है कि सर्वोच्च न्यायालय को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि कानूनी स्पष्टता बनी रहे और महिलाओं तथा बच्चों के अधिकारों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सके। इसके अतिरिक्त, सरकार को भी मौजूदा कानूनों की समीक्षा करनी चाहिए ताकि इस प्रकार की विवादास्पद व्याख्याओं की कोई गुंजाइश न रहे और यौन अपराधों के पीड़ितों को न्याय मिल सके। यह अनिवार्य है कि एक मजबूत कानूनी ढांचा स्थापित किया जाए जो महिलाओं और बच्चों को यौन हिंसा से प्रभावी ढंग से बचा सके।

लेखक कुरुक्षेत्र वि.वि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

न्यायाधीश ने बलात्कार के प्रयास के आरोप को खारिज करते हुए, इसे भारतीय दंड संहिता की धारा 354–बी के तहत "वस्त्र उतारने के इरादे से हमला" और पॉक्सो एक्ट की धारा 9ध्10 के तहत "गंभीर यौन हमला" माना। न्यायालय का मानना है कि इस मामले में किए गए कृत्य बलात्कार के प्रयास की कानूनी परिभाषा को पूरी तरह से संतुष्ट नहीं करते हैं, लेकिन गंभीर यौन हमले की श्रेणी में आते हैं। इस निर्णय के कानूनी विश्लेषण पर विचार करें तो, यह स्पष्ट होता है कि न्यायालय ने अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच स्थापित कानूनी सिद्धांत का पालन करने का प्रयास किया है। भारतीय दंड संहिता के तहत, किसी भी अपराध के लिए केवल 'प्रयास' ही दंडनीय है, जबकि केवल 'तैयारी' को अपराध नहीं माना जाता है।

बेटियों को कैंसर मुक्त बनाने के लिए एचपीवी वैक्सीन जरूरी –राज्यपाल

संवाददाता–श्रावस्ती। योगी सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर श्रावस्ती में जिला पंचायत कार्यालय से सटे मैदान में तीन दिवसीय मेला चल रहा है। मेले के दूसरे दिन बुधवार को आंगनबाड़ी संसाधन किट वितरित की गई। इसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लाभार्थियों को डेमो चेक, किट आदि प्रदान किया। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हें–मुन्नें बच्चों ने प्रस्तुति दी।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आठ सालों से विभिन्न माध्यमों से प्रदेश को विकसित एवं स्वस्थ प्रदेश बनाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। मेरठ एवं औरैया की घटना पर दुख भी जताया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में कैंसर के मरीजों की संख्या अधिक है। इसे रोकने के लिए जरूरी है कि नौ से 14 साल तक की बेटियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जाए। इसके लिए उन्होंने परिवार, समाज व जनप्रतिनिधियों से आगे आने के लिए प्रेरित किया।

दहेज व इसके लिए होने वाली हत्याओं पर दुख जताया। दहेज एवं बाल विवाह पर पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई करने पर जोर दिया। लोगों को आगे आकर इन बुराइयों को रोकने का प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का गुणगान तथा सूर्य घर योजना की सफलता के लिए इसे योजनाओं के साथ अनिवार्य रूप से जोड़ने को कहा। इस दौरान राज्यपाल ने मुद्रा योजना ऋण के लाभार्थियों को डेमो चेक, भूमिहीन को पट्टा, आंगनबाड़ी को किट, आयुष्मान कार्ड, छात्रों को स्पोर्ट्स किट, क्षय रोगियों को पोषण किट व आपदा मित्रों को व्हीलचेयर तथा एचपीवी वैक्सीन लगवाने वाली बच्चियों व आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को किट प्रदान किया।

राज्यपाल ने मेले में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टाल का निरीक्षण किया। इस दौरान न सिर्फ योजनाओं की जानकारी ली, बल्कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। नगर पालिका टीम द्वारा वेस्ट मटेरियल से बनाए गए वाटर फाउंटेन के बारे में ईओ डॉ अनीता शुक्ला से रीयूज वेस्ट टू वंडर सामग्री के बारे में जानकारी ली। इसके लिए राज्यपाल ने ईओ सहित नगर पालिका टीम की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में डीएम अजय कुमार द्विवेदी, एसपी घनश्याम चौरसिया, सीडीओ अनुभव सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष दहन मिश्रा, श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय, भिनगा विधायक इंद्राणी वर्मा, एमएलसी पदमसेन चौधरी व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. एमएल वर्मा सहित सभी अधिकारी, पार्टी पदाधिकारी व लाभार्थी तथा आमजन मौजूद रहे।

नाबालिग का अपहरण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपी को सिद्धार्थनगर से गिरफ्तार कर लिया है और लड़की को सकुशल बरामद कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश में चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव और क्षेत्राधिकारी नगर ज्योति के पर्यवेक्षण में कोतवाली नगर प्रभारी शैलेश सिंह की टीम ने यह सफलता हासिल की।

मामला 16 मार्च 2025 का है। लालाजोत, गौरा चौराहा निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली नगर में शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी नाबालिग बेटी का अपहरण मोहम्मद शमीम ने किया था। शमीम लालाजोत पाला का रहने वाला है।

पुलिस ने मामले में धारा 137(2), 87, 64(2एम) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 5एल/6 के तहत मुकदमा दर्ज किया। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को सिद्धार्थनगर के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के परसोहिया से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी में उप–निरीक्षक शिवम सिंह और नंदकेश तिवारी के साथ कांस्टेबल रवि दूबे, शुभम तिवारी, अभिनेश त्रिपाठी और महिला कांस्टेबल प्राची मिश्रा की टीम शामिल थी। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

आठ वर्षों में बहराइच का हुआ अभूतपूर्व विकास -सूर्य प्रताप शाही

संवाददाता–बहराइच। प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूरे होने पर महाराज सिंह इण्टर कालेज में आयोजित कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रदेश के मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभागधभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही पहुंचे।

उन्होंने बहराइच के विकास पुस्तिका का विमोचन किया। जिले की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व बांसुरी वादन प्रस्तुत किया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र, डेमो चेक तथा आवास की चाभी का वितरण किया। शाही ने कहा कि प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के आठ वर्षों में प्रदेश के अन्नदाताओं को शीर्ष प्राथमिकता प्रदान की गई है। प्रदेश में पिछले 08 वर्षों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, किसान मानधन योजना, निःशुल्क सिंचाई आदि कार्यों ने कृषि सेक्टर की तस्वीर बदल दी है। वर्ष 2016–17 के 5.1 के मुकाबले वर्ष 2023–24 में कृषि किसान दर बढ़कर 13.7 प्रतिशत हो गई है। बहराइच में कराये जा रहे कार्यों को विस्तार से बताया। भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, विधायक बलहा सरोज सोनकर, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, पूर्व सांसद अक्षयवरलाल गौंड आदि थे।

दुष्कर्म के आरोपी पति–पत्नी को 3–3 साल की सजा

संवाददाता–श्रावस्ती। एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। एएसजे कोर्ट ने पति–पत्नी को दोषी करार देते हुए तीन–तीन साल की सजा सुनाई है। दोनों पर 40–40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। मामला थाना इकौना का है, जहां 2010 में एससी–एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। आरोपी रामप्रताप और उसकी पत्नी मंजू देवी ने पीड़िता को बहला–फुसलाकर अगवा किया था। दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर छोड़ दिया। यह मामला उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत सामने आया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देश में विशेष टीम ने इस केस की पैरवी की। मॉनिटरिंग सेल और विशेष लोक अभियोजक की मदद से मामले में सफलता मिली।

म्यांमार से आई बौद्ध अनुयाई की होटल में मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। बुधवार को म्यांमार की महिला श्रद्धालु की मौत हो गई। वह 22 सदस्यीय दल के साथ महात्मा बुद्ध की तपोस्थली पहुंची थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना नवीन मार्डन थाना कटरा क्षेत्र की है। म्यांमार से 22 सदस्यीय दल प्रार्थना करने लिए मंगलवार को बुद्ध की तपोस्थली श्रावस्ती पहुंचा था। इसमें 72 टेकी लीक शान राज्य के जिला टाकी लेक निवासिनी ईआई नाग (67) एवं उनका बेटा आंग क्याव भी था। मां बेटे बौद्ध तपोस्थली स्थित ट्यूलिप इन होटल कटरा के रूम नंबर 117 में रुके थे।

बुधवार तड़के बेटा जगा तो उसने देखा कि मां की मौत हो चुकी है। उसने इसकी जानकारी होटल प्रबन्धक को दी। होटल प्रबंधक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

आग से 24 झोपड़ियां जलकर राख, कई पशु जले

संवाददाता–बहराइच। बुधवार की दोपहर झोपड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के चलते कुछ ही देर में 24 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। गृहस्थी के सामान के साथ पशु जलकर मर गए।

घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के हरवसी गांव की है। आग से गांव निवासी गोपाल के 10 बकरे, जयकरण की दो भैंस एवं पांच बकरे, विजय की दो भैंस और आठ बकरियां जलकर मर गईं। ग्रामीण आग से 15 लाख से अधिक का नुकसान होने की बात कह रहे हैं।

घटना के बाद से घरों में मातम जैसा माहौल हो गया। एक झटके दो दर्जन परिवार खुले आसमान के नीचे आ गए। सूचना पर नायब तहसीलदार अक्षय कुमार पांडेय, राजस्व कर्मी भज्जू राम, उपेंद्र यादव, सनाउल्लाह मलिक एवं थाना प्रभारी शीला यादव ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया।

पैरवी कर दिलाए अपराधियों को सजा त्योहारों पर सतर्क रहने के निर्देश

संवाददाता–गोण्डा। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने क्राइम मीटिंग आयोजित की। इस दौरान उन्होंने सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रमुखों को कड़े निर्देश दिए। एसपी ने चैत्र नवरात्रि, रामनवमी और ईद–उल–फितर को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के आदेश दिए। संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। इन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। थाना प्रभारियों को वांछित, वारंटी और इनामी अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। शातिर अपराधियों पर गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट डालने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। वहीं क्राइम मीटिंग के दौरान एसपी ने लापरवाह पुलिस कर्मियों को कार्रवाई की चेतावनी भी दी, जिसमें कहा की लापरवाही मिलने पर तत्काल कठोर कार्रवाई होगी। एसपी जायसवाल ने जिले की कानून व्यवस्था का ब्योरा भी साझा किया। गैंगस्टर एक्ट के तहत 59 अपराधियों पर 12 मुकदमे दर्ज हैं। इस एक्ट की धारा 14(1) के तहत 1.11 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है। गुंडा एक्ट के तहत 52 अपराधियों पर कार्रवाई की गई है। 9 सक्रिय गिरोहों का पंजीकरण किया गया है। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत 521 अपराधियों को सजा दिलाई गई। इनमें 3 को आजीवन कारावास, 24 को 10 वर्ष से अधिक और 6 को 5 वर्ष से अधिक की सजा मिली है। एनडीपीएस एक्ट के तहत 4.53 करोड़ मूल्य का 517.157 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किया गया है।

मंडलीय कारागार का जिला जज, डीएम–एसपी ने किया निरीक्षण

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा मंडलीय कारागार का जिला जज, डीएम और एसपी ने अधिकारियों के साथ औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बंदियों और कैदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। कैदियों ने स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन की गुणवत्ता और मुलाकात संबंधी व्यवस्थाओं पर अपने सुझाव रखे। डीएम और एसपी ने जेल के रसोईघर, बैरक, अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने खाने की गुणवत्ता की जांच की। अधिकारियों ने जेल परिसर में साफ–सफाई और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण से बंदियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होगा।

निरीक्षण में कुछ स्थान पर गंदगी और व्यवस्थाओं में खामियां मिलीं। डीएम और एसपी ने जेल अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी। अधिकारियों ने कहा कि जेल सिर्फ सजा काटने की जगह नहीं, बल्कि सुधार गृह भी है।

उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि बंदियों को सुधार और पुनर्वास योजनाओं से जोड़ा जाए। इससे वे जेल से बाहर जाकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगे। जिला जज ने कई बंदियों से जानकारी ली जिनके पास वकील नहीं है और वह केस लड़ने में असमर्थ हैं उन्हें सरकारी वकील उपलब्ध करवाने का भी निर्देश दिया है।

योगी सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी, 254 करोड़ का एयरपोर्ट, 281 करोड़ का मेडिकल कॉलेज समेत अन्य विकास कार्य पूरे

संवाददाता–कुशीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूरे होने पर कुशीनगर में विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य रामसूरत राजभर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें कृषि गोष्ठी, लोक गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षा विभाग की प्रस्तुतियां और भजन–कीर्तन शामिल रहे।

कुशीनगर के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने विकास कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि जिले में 254 करोड़ की लागत से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाया गया है। 281.45 करोड़ से मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हुआ है। 434.61 करोड़ की लागत से कृषि विश्वविद्यालय का निर्माण चल रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के तहत 10.89 लाख गोल्डन कार्ड बनाए गए। निवेश के मोर्चे पर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 2556.37 करोड़ के 371 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।

किसानों के लिए विशेष योजनाओं के तहत 6.62 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में 1876.92 करोड़ रुपए दिए गए। गन्ना किसानों को 7533.09 करोड़ का भुगतान किया गया। समाज कल्याण योजनाओं के तहत वृद्धावस्था पेंशन में 778.86 करोड़ वितरित किए गए।

सामाजिक सुरक्षा के तहत 53,955 महिलाओं को निराश्रित पेंशन दी गई। 53,686 लाभार्थियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ मिला। दिव्यांगजन पेंशन में 15,505 लोगों को 114.22 करोड़ दिए गए। मनरेगा के माध्यम से 1430.89 करोड़ खर्च कर 4.24 करोड़ मानव दिवस का रोजगार सृजन किया गया।

छात्रों को शोध कार्य पर दिए टिप्स, एडूकेशन टेक्नोलाजी के उपयोग पर दिया जोर

संवाददाता–बलरामपुर। महाविद्यालय अंग्रेजी विभाग के समागार में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार शुक्ल ने की। प्रभारी प्राचार्य प्रो. ए.के. द्विवेदी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र–छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंगलाचरण और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। अक्षरा, सौम्या और अंजलि ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। डॉ. शुक्ल ने छात्रों को सिलेबस, कक्षा में उपस्थिति, ट्यूटोरियल और सत्रीय कार्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के विशेष टिप्स भी साझा किए। विभागाध्यक्ष ने नई शिक्षा नीति में शोध कार्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शोध कार्य से छात्रों की सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है। भारतीय संस्कृता में ज्ञान की खोज को मानव जीवन का परम लक्ष्य माना गया है। डॉ. शुक्ल ने महिला सशक्तीकरण और शिक्षा पर भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में उपनिषद के याज्ञवल्क्य–गार्गी संवाद का महत्व भी छात्रों को समझाया गया। स्पोकन इंग्लिश, फंक्शनल इंग्लिश और रोजगारपरक कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। अंत में, छात्र–छात्राओं ने विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षकों से अपनी शैक्षणिक समस्याओं पर चर्चा की।

दो अलग–अलग क्षेत्रों में छत से गिरकर महिला समेत दो की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। दो अलग–अलग थाना क्षेत्रों में दलित श्रमिक व एक महिला की छत से गिरकर मौत हुई है। पहली घटना मंगलवार देर शाम थाना महराजगंज तराई क्षेत्र के साधवपुर में मदरसा भवन निर्माण के दौरान छत से गिरे दलित श्रमिक की इलाज के दौरान मौत हुई है। मदरसा संचालक ने मृतक की पत्नी को काफी देर तक गुमराह किया जिसको लेकर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने श्रमिक का शव लेने से मना कर दिया और मदरसा संचालक तथा अन्य को घेर लिया। पुलिस के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। दूसरी घटना हरैया सतघरवा थाना क्षेत्र अन्तर्गत रामगंज बलिदानडीह गांव में हुई घटना में ग्रामीणों ने महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने से इंकार कर दिया। नौ घंटे तक ग्रामीणों को मनाने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर फोरेंसिक टीम ने भी जांच की है। काफी मान मनौव्वल के बाद उन्होंने शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने की अनुमति दी। बात शुरू करते हैं थाना महराजगंज तराई के ठाकुरपुर के मजरे साधवापुर एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि वार्षिक रिपोर्ट कार्ड छात्रों का साल भर का परिणाम होता है। इसी से उनको आगे की कक्षा में जाने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए आगे की कक्षा में मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं ने रंगारंग व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी की। अतिथियों के हाथों स्कूल टॉपर एवं टॉप टेन सहित प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र–छात्राओं को मेडल प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रबंधक डॉ एमी तिवारी ने किया। विद्यालय कोषाध्यक्ष मीता तिवारी एवं निदेशक आकाश तिवारी ने कार्यक्रम में आए हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, एमएलके पीजी कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रो. डॉ जेपी तिवारी, डॉ सतगुरु प्रकाश व डॉ राजीव रंजन आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिखा पांडेय व राघवेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षकों का योगदान रहा।

टीबी मरीजों की संख्या 5552 पहुंची

संवाददाता–महराजगंज। जिले में टीबी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्क्रीनिंग अभियान में प्रतिदिन नए मरीज सामने आ रहे हैं। जिले के 191 हेल्थ वेलनेस सेंटर पर सीएचओ और एएनएम द्वारा की जा रही स्क्रीनिंग में अब तक 1580 संभावित मरीजों की जांच की गई है। इन जांचों में 352 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही जिले में टीबी मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 5552 हो गई है। इनमें से 115 मरीज मल्टी ड्रग्स रजिस्टेंस (एमडीआर) श्रेणी में आ गए हैं। स्वास्थ्य विभाग टीबी के संदिग्ध मरीजों का बलगम और एक्स–रे टेस्ट करवा रहा है। शासन ने जिले को दिसंबर 2025 तक टीबीमुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए स्वास्थ्य प्रशासन हर स्तर पर प्रयास कर रहा है। टीबी की पुष्टि होते ही मरीजों का इलाज शुरू कर दिया जाता है। डॉट्स प्रोवाइडर की निगरानी में मरीजों को दवाएं दी जा रही हैं। एसीएमओ–डीटीओ डॉ. वीरेंद्र आर्य के अनुसार, साधारण टीबी के मरीज नियमित रूप से छह माह तक दवा लेकर पूरी तरह स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने लोगों से टीबी के लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की अपील की है।

दंबगों ने नाबालिगों को पीटा, 10 साल के बच्चे का टूटा दांत

संवाददाता–कुशीनगर। एक परिवार की तीन नाबालिग संतानों के साथ पड़ोसियों ने मारपीट की। घटना विशुनपुरा थाना क्षेत्र के ठाढ़ीमार टोला शेखपटटी की है।

पीड़िता सुमन यादव ने बताया कि 25 मार्च को उनकी मां अपने पति को इलाज के लिए गोरखपुर ले गई थीं। घर पर वह और उसके दो भाई–बहन अकेले थे। सभी की उम्र 10 से 15 वर्ष के बीच है।

पड़ोसी रविंद्र यादव, उनकी पत्नी रीता और मां सुशीला देवी उनके खेत से मूंज चोरी कर रहे थे। सुमन ने जब उन्हें रोका, तो रविंद्र यादव ने गालियां दीं। उसे जमीन पर पटक दिया और मारपीट की। सुमन की चीख सुनकर उसके भाई–बहन बचाने आए। रीता ने 10 वर्षीय धनु को ईंट से मारा, जिससे उसके दांत टूट गए। तीनों आरोपियों ने बच्चों को लाठी–डंडों से पीटा। सुमन के सिर पर वार किया, जिससे वह बेहोश हो गई। राहगीरों के आने से बच्चों की जान बची। घटना का वीडियो भी बनाया गया। थानाध्यक्ष विशुनपुरा राजूसिंह ने कहा कि पीड़ित पक्ष ने तहरीर दी है। वीडियो में बच्चियों को मारते हुए देखा गया है। मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वार्षिक रिपोर्ट कार्ड पाकर खिले छात्रों के चेहरे

संवाददाता–बलरामपुर। पायनियर पब्लिक स्कूल में वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कक्षा एक से नौ एवं 11वीं कक्षा के छात्रों को वार्षिक रिपोर्ट कार्ड दिया गया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र–छात्राओं को मेडल प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि वार्षिक रिपोर्ट कार्ड छात्रों का साल भर का परिणाम होता है। इसी से उनको आगे की कक्षा में जाने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए आगे की कक्षा में मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं ने रंगारंग व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी की। अतिथियों के हाथों स्कूल टॉपर एवं टॉप टेन सहित प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र–छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रबंधक डॉ एमी तिवारी ने किया। विद्यालय कोषाध्यक्ष मीता तिवारी एवं निदेशक आकाश तिवारी ने कार्यक्रम में आए हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, एमएलके पीजी कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रो. डॉ जेपी तिवारी, डॉ सतगुरु प्रकाश व डॉ राजीव रंजन आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिखा पांडेय व राघवेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षकों का योगदान रहा।

सीएम ने 250 से अधिक लोगों की सुनी फरियाद, समाधान का दिया भरोसा

संवाददाता—गोरखपुर। अपने नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के आठ सफल वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष समारोह में शामिल होने के लिए मंगलवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद बुधवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक—एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ बच्चों पर खूब प्यार—दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों से बात कर उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए आशीर्वाद दिया।

भव्य आकर ले रहा है नया उत्तर प्रदेश —स्वतंत्र देव सिंह

संवाददाता—गोरखपुर। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की छवि तोड़कर विकास की राह पर चल रहा है। नया उत्तर प्रदेश भव्य आकर ले रहा है। 2017 से पहले काफी चुनौतियां थी। ये बातें प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को तारामंडल स्थित महंत दिग्विजय नाथ पार्क में सरकार के आठ साल पूर्ण होने पर पत्रकारों से बातचीत में कहीं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश नंबर वन राज्य बनने की ओर अग्रसर है। सामाजिक क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि गरीब का अगर मकान बनता है, उसकी बेटी की शादी हो जाती है, तो वह समझता है कि जीवन धन्य हो गया। योगी सरकार में 56 लाख लोगों के मकान बने। 15 करोड लोगों को राशन मिला।

लगभग 2 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचा। लोगों के आयुष्मान कार्ड बने, 46 लाख लोगों को निशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सपा सरकार में दंगा होते थे, लेकिन अब प्रदेश दंगा मुक्त हो चुका है। योगी सरकार में दिव्य कुंभ हुआ।

सपा सरकार में कुंभ में 7 करोड लोग पहुंचे थे लेकिन योगी सरकार में 66 करोड लोगों ने डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि सड़कों का जाल बिछा। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने पर्यटन के क्षेत्र में छलांग लगाई है। 66 करोड पर्यटक बढे हैं।

हवन यज्ञ, भंडारे के साथ श्रीमद्भागवत कथा सम्पन्न

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। हर्रैया ब्लाक के समौड़ी गांव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा बुधवार को संपन्न हो गई। कथा के समापन पर हवन यज्ञ और भंडारे का आयोजन किया गया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहले हवन यज्ञ में आहुति डाली और फिर प्रसाद ग्रहण किया।

कथा व्यास राजेश पाण्डेय महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा की महिमा बताई। कहा कि हवन—यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने के साथ—साथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है। व्यक्ति में धार्मिक आस्था जागृत होती है। दुर्गुणों की बजाय सद्गुणों के द्वार खुलते हैं। यज्ञ से देवता प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति भव सागर से पार हो जाता है। उन्होंने बताया कि कथा या अनुष्ठान का तत्वसार होता है जो मन बुद्धि व चित को निर्मल कर देता है। मनुष्य शरीर भी भगवान का दिया हुआ सर्वश्रेष्ठ प्रसाद है। जीवन में प्रसाद का अपमान करने से भगवान का ही अपमान होता है। भगवान का लगाए गए भोग का बचा हुआ शेष भाग मनुष्यों के लिए प्रसाद बन जाता है।

इस दौरान मुख्य यजमान राम सुमति मिश्र, सीता देवी, राम प्यारे मिश्र, पंकज मिश्र, एडी शुक्ल, जय प्रकाश शुक्ल, प्रमोद शुक्ल बब्बू, बब्बन शुक्ल, हिमांशु त्रिपाठी, देवेंद्र नाथ मिश्र बाबू जी, धीरेन्द्र नाथ मिश्र, श्रीनाथ मिश्र, सुरेंद्र नाथ मिश्र, रामफूल मिश्र, उमेश मिश्र, चन्द्र प्रकाश मिश्र, पशुपतिनाथ शुक्ल, विश्व प्रकाश मिश्र, राम जियावन शुक्ल, राधा मोहन मिश्र, लालजी मिश्र, अशोक कुमार मिश्र, महेंद्र कुमार मिश्र, सुभाष मिश्र, विजय मिश्र, चंद्रमणि मिश्र, प्रेम शंकर ओझा, जगदम्बा ओझा, राधिका चौधरी, भरत, संतोष मिश्र, रवीश कुमार मिश्र, वेद प्रकाश मिश्र, उत्तम मिश्र, हरीश, शिवम, गोपाल, रत्नेश, प्रभात, राम, अत्रय, बाबूलाल, लल्लू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी की पहली बैठक आज

संवाददाता—गोरखपुर। जिला कांग्रेस कमेटी की प्रथम बैठक गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे से गोरखपुर क्लब के सभागार में होगी। बैठक में सबकी राय से जिले में कांग्रेस पार्टी की मजबूती व जन सरोकारों के लिए सक्रियता के लिए भविष्य की कार्यनीति व रणनीति तय की जाएगी। यह जानकारी नव नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने दी। उन्होंने इस बैठक में जिला, नगर, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के सभी पूर्व और निवर्तमान पदाधिकारियों, पूर्व विधायकों, सांसदों, जिला पंचायत सदस्यों, सभी पूर्व और वर्तमान एआईसीसी एवं पीसीसी सदस्यगण और सभी कांग्रेस नेताओं—कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया है।

राम का देश है भारत आतंकियों से हमारा कोई नाता नहीं -एमएस बिट्टा

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में बुधवार को ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के मुखिया एमएस बिट्टा पहुंचे। यहां उन्होंने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शन कर पुण्य लाभ लिया। इस मौके पर उन्होंने आतंकी अब्दुल रहमान को लेकर बयान दिया। कहा कि राम जन्मभूमि पर हमला मतलब हम पर हमला। महाकुंभ में 60 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

बिट्टा ने कहा कि पन्नू जैसे लोग अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, यूके में बैठकर हमलों की प्लानिंग बनाते हैं। आतंकवादियों से हमारा कोई नाता नहीं है। भूखे नंगे पाकिस्तान के टुकड़ों पर पलने वाले आतंकी खालिस्तान चाहते हैं। हम खलिस्तान नहीं चाहते। भारत हमारे समूह का, हमारे राम का देश है।

सबका साथ सबका विकास कर रही योगी सरकार

संवाददाता—संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा, सुरक्षा और सुशासन के उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद संतकबीरनगर पहुंचे। मंत्री ने सदर विधायक अंकुर राज तिवारी और विधायक गणेश चौहान की उपस्थिति में प्रदेश सरकार की उपलब्धियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में सभी को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पिछले 8 वर्षों में प्रदेश में विकास और सुरक्षा का माहौल बना है। मीडिया से बातचीत में डॉ निषाद ने मुख्यमंत्री योगी के राहुल गांधी को नमूना बताए जाने वाले बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करते—करते बिखर गई है। औरंगजेब पर चल रही राजनीतिक बहस पर मंत्री ने कहा कि जो पार्टियां औरंगजेब और मुगलों को अपना आदर्श मानती हैं, उन्हें पहले अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोहिया के विचारों और औरंगजेब की विचारधारा में कोई सामंजस्य नहीं हो सकता।

दशरथ के राज्य में था प्रजातंत्र—स्वामी स्वरूपानन्द

—9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । राम चरित अनन्त है। श्रीराम के विवाह की कथा जो प्रेम से सुनेगा उसका सदा मंगल होगा। परमात्मा के मंगलमय नाम का जाप करो, चाहे ज्ञान मार्गी हो या भक्ति मार्गी, ईश्वर की साधना और ध्यान किये बिना काम नहीं बनता। मनुष्य को चाहिये कि वह अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित कर ले। यह सद् विचार कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में सातवें वे दिन व्यक्त किया।

श्रीराम विवाह, परशुराम प्रसंग और अयोध्या वापसी के अनेक प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि मिथिलानरेश के लिये सौभाग्य की बात है श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का विवाह एक ही मण्डप में सम्पन्न हुआ। विदाई का क्षण आया, साक्षात महालक्ष्मी सीता जी जनकपुरी छोड़कर जा रही है, मेरे जाने के बाद इन लोगों का क्या होगा ऐसा सोच माता जी ने अपने आंचल में चावल भरकर चारो ओर बिखेर दिये। आज भी मिथिला में चावल बहुत पकता है।

अयोध्या की प्रजा सीताराम का दर्शन कर रही है, दशरथ जी ने कहा यह परायी पुत्री हमारे घर आयी है जिस प्रकार से हमारी आंखों की रक्षा पलक करती है उसी प्रकार सीता जी की रक्षा करना " वधू लरिकनी पर घर आई। राखेहु नयन पलक की नाई।।

महात्मा जी ने कहा कि दशरथ का राज्य प्रजातंत्र है। उनके मन में यह भाव आया कि अब श्रीराम का राज्याभिषेक कर दिया जाना चाहिये। नारायण को तो अभी नर लीला करनी है। वैसे भी किसी का सम्पूर्ण सुख तो काल से भी नहीं देखा जाता। राजा दशरथ के सुख को काल की अशुभ नजर लग गयी। काल ने विघ्नेश्वरी में प्रवेश किया, विघ्नेश्वरी ने मन्थरा में प्रवेश किया।

महात्मा जी ने कहा कि परमार्थ में यदि कोई भूल हो जाय तो भगवान शायद क्षमा कर देते हैं किन्तु व्यवहार की छोटी सी भूल भी लोग क्षमा नहीं करते। व्यवहार बड़ा कठोर है। इससे सावधान रहना चाहिये।

श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान अजय सिंह, विभा सिंह ने कथा व्यास का पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, राजेश मणि त्रिपाठी, हीरा सिंह, राजेश सिंह, अमरजीत सिंह, हरिओम पाण्डेय, बब्लू पाण्डेय, कन्हैया दास, राजननरायन पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, राधेश्याम, सभाजीत चौधरी, विश्वम्भर, गोविन्द मोदनवाल, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता, दंगल गुप्ता, रामकिंकर सिंह, संजीव सिंह, सुनील सिंह, जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित सिंह, आदित्य सिंह, अरूण सिंह, मनोज गुप्ता, देवनरायन चौहान, दयाराम सोनकर, प्रभाकर सिंह, सुधाकर सिंह, अमरपाल सिंह, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, नीरज गुप्ता, रामू, इन्द्रपरी सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

मौलाना कौसर हयात जैसे लोगों को सुरक्षा ना दे सरकार —पूर्व सांसद

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में बुधवार को पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहुंचे। यहां उन्होंने रामनवमी को लेकर बयान दिया है। कहा कि अयोध्या के लिए चैत्र रामनवमी महत्वपूर्ण पर्व है। यह लाखों वर्षों की परंपरा है। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी आते हैं। पिछले वर्ष कुछ ऐसा माहौल बनाया गया था कि लोग ना आएं। इसकी वजह से श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई थी। उन्होंने व्यवस्था में लगे लोगों से अपील की है कि इस वर्ष ऐसा कुछ माहौल ना बन पाए, जिससे कम श्रद्धालु रामनगरी आएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संभल में खुदाई को लेकर दिए बयान पर बृजभूषण शरण सिंह बचते नजर आए। मोदी सरकार द्वारा ईद के मौके पर मुस्लिमों को किट वितरित करने पर कहा कि प्रधानमंत्री को पता है कि आज के मुस्लिम पुराने हिंदू हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने जो फैसला लिया है वह सोच समझकर लिया होगा। हम मोदी सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। मौलाना कौसर हयात के बयान पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि ऐसे बयानों पर प्रतिबंध लगना चाहिए। ऐसे लोगों को सरकार सुरक्षा ना दे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम SALMA KHATOON w/o ABUDUL KUDDUS था। अब मैंने अपना नाम बदलकर SALMA w/o ABUDUL KUDDUS रख लिया है। अब मुझे SALMA w/o ABUDUL KUDDUS के नाम से जाना व पहचाना जाय।

SALMA w/o ABUDUL KUDDUS
ग्राम व पोस्ट करही
थाना दुधारा— जिला संतकबीरनगर

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 1999, अनुक्रमांक 1232187, इण्टर मीडिएट वर्ष 2001 अनुक्रमांक 0665288 का अंक पत्र और गोरखपुर विश्वविद्यालय से निर्गत बीर बहादुर सिंह महाविद्यालय हरनही महराव से निर्गत स्नातक तृतीय वर्ष , वर्ष 2004 अनुक्रमांक 19618 अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(पूनम त्रिपाठी)
पुत्री श्री हेमन्त कुमार त्रिपाठी
हाल मुकाम सिविल लाइन्स
गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.)।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0—
अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी अति0 प्रथम बस्ती जिला—बस्ती
हरीराम
बनाम
दर्शना देवी
ग्राम वायपोखर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
1. सन्तराम पुत्र निर्मल 2. सुवास 3. चन्द्रभन 4.गोकरन पुत्रगण गौरीशंकर निवासीगण मौजा वायपोखर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 29—03—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 21 माह 03 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0—470/2021
न्यायालय—श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
रामकरन आदि
बनाम
रामधनी आदि
1. रामशरन 2. रामशब्द पुत्रगण रामबली 3. जगराम पुत्र स्व0 महेश ग्राम बेलसुही तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती 4. सुबाष पुत्र ओरी साकिन खड़ौहा उर्फ छबिलहा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती 5. लालचन्द्र 6. लालजी पुत्रगण कामता प्रसाद 7. सुनील कुमार पुत्र कन्हैया लाल 8. नितेश कुमार पुत्र मेवालाल साकिन कसैला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती 10. विमल कुमार 11. नन्दलाल 12. हीरालाल 13. जियालाल पुत्रगण भगवानदीन साकिन कसैला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 25—04—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0 981/2024
श्रीमती लक्ष्मी आदि
बनाम
दयाशंकर आदि
दयाशंकर उम्र लगभग 63 वर्ष पुत्र स्व0 जगनरायन साकिन बिहरा हाल मुकाम ककुआ उर्फ ओझागंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया पोस्ट महराजगंज जिला बस्ती उ0प्र0
तारीख पेशी 05—05—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0 331/2024
धीरेन्द्र कुमार सिंह
बनाम
अयोध्या प्रसाद
1. अयोध्या प्रसाद उम्र लगभग 37 साल पुत्र केशवराम निवासी ग्राम गायघाट तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 26—03—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—548/98
राजेन्द्र प्रसाद
बनाम
रामसुन्दर आदि
5/1/1 राजेश पाण्डेय उम्र लगभग 50 वर्ष 5/1/2 हर्ष पाण्डेय उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण स्व0 हरीराम 5/1/3 श्रीमती पुष्पा उम्र लगभग 76 वर्ष पत्नी स्व0 हरीराम निवासीगण तवापार तप्पा औराडाड़ परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 21—04—2025

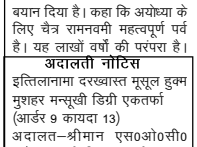

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 21 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0 993/2024
अष्टभुजा दूबे
बनाम
श्रीमती शान्ती देवी आदि
5. शान्ती देवी उम्र 75 साल पत्नी परमात्मा प्रसाद 2. रामबोध उम्र 52 साल 3. ऋषिकेश उम्र 50 साल 4. सुनील कुमार उम्र 45 साल पुत्रगण परमात्मा प्रसाद साकिनान चॉन्दाखुर्द तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती 5. राजभान सिंह उम्र 30 साल पुत्र लेखपाल तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6. अरविन्द श्रीवास्तव उम्र 50 साल कानूनगो गौर तहसील हर्रैया जिला बस्ती 7. अशोक सिंह उम्र 45 साल कानूनगो तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 21—04—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त मूसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतर्फा
(आर्डर 9 कायदा 13)
अदालत—श्रीमान एस0ओ0सी0 महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मु0नं0—
धारा 11(1) सी0एच0एक्ट
प्रमात्मा प्रसाद आदि
बनाम
देवी प्रसाद आदि
3. श्रीमती प्रेमा देवी पत्नी रामसागर 4. रामसुभग पुत्र रामदेव 5. शोहरत 6. केशव 7. सजीवन 8. रामजतन 9. बाकेलाल 10. रामधनी पुत्रगण मल्लू 11. सुभाष पुत्र झकड़ी निवासीगण ग्राम जगतापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती
तारीख पेशी 04—04—2025

हरगाह मुद्दाअलेह मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतरफा मुवरिखा जो साकिन मजकुरूसदर में साबित हो चुकी है पेश की है। लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस में बतारीख 04 माह 04 सन 2025 या बजरिये वकील अदालत हाजा या बजरिये मुख्तार मजाज हुक्म जाप्ता और वाकिफ हाजा मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) हाजिर करें कि नाममुद्दई की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com